सेंट एंड्र्यूज़ स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपड़गंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२६-२०२७

कक्षा:-चार	विषय:हिंदी	पाठ ४ स्वामिभक्त सेनापति

कठिन शब्द

१)सेनापति

२)न्योछावर

३)पर्यटन

४)सुझाव

५)रसोईया

६)क्रोधित

७)बुध्दिबल

८)कर्तव्यपालन

९)स्वादिष्ट

१०)सैनिकों

११)अंगरक्षकों

१२)व्यंजनों

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रश्न राजा ने मंत्री से क्या इच्छा व्यक्त की ?

उत्तर राजा ने मंत्री से यह इच्छा व्यक्त की कि , एक स्थान पर रहते -रहते हमारा मन ऊब गया है ।हम विदेश यात्रा पर जाना चाहते हैं ।

प्रश्न मंत्री ने महाराज को क्या सुझाव दिया ?

उत्तर मंत्री ने महाराज को यह सुझाव दिया कि ,"महाराज मगध एक सुंदर पर्यटन स्थल है। मेरे विचार से आपके लिए मगध की यात्रा ठीक रहेगी ।

प्रश्न काकशक्ति ने क्या तरकीब सुझाई ?

उत्तर काकशकित ने यह तरकीब सुझाई कि जब राजा का रसोइया भोजन लेकर जा रहा होगा, तब मैं कुछ ऐसा करूँगा जिससे रसोईया के हाथ से भोजन का थाल गिर जाएगा और रसोइया क्रोधित होकर मुझे पकड़ने के लिए भागेगा, ठीक उसी समय तुम सब रसोईघर में घुसकर व्यंजनों को उड़ा लेना और राजा-रानी के पास पहुँचा देना।

प्रश्न राजा ने अपराधी कौए से क्या कहा ?

उत्तर राजा ने अपराधी कौए से कहा कि ,"हम तुम्हारी स्वामिभक्ति से बहुत प्रसन्न हैं ।एक सैनिक का कर्तव्य है कि वह अपने राजा की आज्ञा का हमेशा पालन करें । हम तुम्हारा ह्रदय से सम्मान करते हैं और तुम्हें आज़ाद करते हैं । अपने राजा की इसी तरह सेवा करते रहो ।

रिक्त स्थान भरिए ।

क) जंगल के सारे <u>कौए</u> अपने राजा की आज्ञा का पालन करते थे ।
ख) महल पहुँचकर सब कौए रसोईघर की छत पर बैठ गए ।
ग) महल में उड़ती भीनी-भीनी <u>गंध</u> राजा के मन को बहुत भा रही थी ।
घ) जब राजा ने कौए के मुख से <u>कर्तव्यपालन</u> की बात सुनी तो वह बहुत प्रसन्न हुआ ।
ङ) आज हम आपके सामने एक कौआ <u>अपराधी</u> को पेश करने जा रहे हैं।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए ।

क) ऊबना -अरुचि उत्पन्न होना
एक ही तरीके का काम हर रोज़ करते-करते रोहन का मन अब उबने लगा है ।

ख) विदेश - दूसरा देश
रिया उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विदेश गई है।

ग) अपराधी -जिसे कोई अपराध किया हो
पुलिस ने हत्या के अपराधियों को रंगे हाथों पकड़ लिया ।

घ) कर्तव्यपालन -कर्तव्य निभाने वाला
हर नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपालन से पीछे नहीं हटना चाहिए ।